जो प्राप्त है वही पर्याप्त है, खुशी को गायब कर देती है इच्छाएं : नीता दीदी

भोपाल (काप्र)।

हमारा जीवन ऐसा हो हर पल आनंद, हर पल खुशी, हर पल उत्सव। कौन सी कमजोरी है जिसने मेरी खुशी में बाधा उत्पन्न की है। इच्छाएं व्यक्ति को खुश नहीं रहने देती। वह हनुमान की पूंछ की तरह बढ़ती ही जाती है। अगर सदा खुश रहना है तो एक सूत्र पक्का कर लीजिए- जो प्राप्त है वही पर्याप्त है।

हम असंतुष्ट मने स्थिति के साथ जीवन में किसी भी ऊंचाई को छू नहीं सकते हैं। जो क्षण मेरे हाथ में है उसको मुझे पूरी ऊर्जा के साथ जीना है। ब्रह्माकुमारीज़ की भूतपूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी हमेशा कहती थी- अगर सदा खुश रहना है तो सुबह उठते ही तीन गोलियां खाओ- धीरज, शांति और प्रेम। जिसके पास जो चीज होती है वह वही देता है। दूसरा व्यक्ति प्रेम नहीं दे पा रहा है क्योंकि उसके पास प्रेम की गरीबी है। उसके प्रति करुणा की भावना रखना आवश्यक है। शांति जीवन जीने की कला है, आत्मा की इम्युनिटी है। एक ग्लास पानी डालने से मटका नहीं भरेगा। 50 ग्लास डालने तक मुझे धीरज रखना है। धैर्य ही सफलता का आधार है। जितनी भीतर ऊर्जा होगी उतना जीवन आनंद से व्यतीत होगा। अगर बीच-बीच में हम अपने आप को इंद्रियों से डिटैच करना सीख जाएंगे तो हमारी भीतर की ऊर्जा बढ़ती जाएगी। ऊंचे ,शक्तिशाली एवं सकारात्मक विचारों से आत्मा की ऊर्जा बढ़ती है। एक डेड बॉडी में ब्रेन होता है फिर भी वह सोचता क्यों नहीं? क्योंकि सोचने वाली शक्ति है मन। घर और स्कूल में भी मन इग्नोर हो गया। चेहरा निखरता गया लेकिन मन पर धूल चढ़ती गई। मन की तरफ हमने ध्यान नहीं दिया। व्यक्ति केवल लुक से सुंदर नहीं बनता, मेडिटेशन मन को सुंदर बनाता है, दिशा देता है, बातों को लेट गो करना सिखाता है। इस शरीर रूपी हार्डवेयर के भीतर मैं एक सॉफ्टवेयर हूं। एक आध्यात्मिक ऊर्जा हूं। ज्ञान, पवित्रता, शांति यह आत्मा के इंग्रेडिएंट्स है। कर्म करते बार-बार यह रियलाइज करना है- मैं शांत स्वरूप आत्मा हूं। इससे हमारे घर की एवं कार्यस्थल की ऊर्जा भी बढ़ती जाएगी। और जीवन हर पल उत्सव के समान बन जाएगा। यह बात कर रही थी माउंट आबू से पधारी ज्ञानामृत की संपादक ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी जी। ब्रह्माकुमारीज़, सुख शांति भवन, नीलबड़ में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन भोपाल के अनेक माननीय नागरिकों के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का सूत्र संचालन वरिष्ठ राजयोगी बीके रामकुमार जी ने किया। आभार प्रदर्शन सुख शांति भवन की डायरेक्टर बीके नीता दीदी ने किया। बीके नीता दीदी ने आगे जानकारी देते हुए कहा, कल दिनांक 15 मई सोमवार से 18 मई गुरुवार तक मुंबई के डॉक्टर दिलीप नलगे द्वारा कर लो स्वास्थ्य मुट्ठी में यह 4 दिन का संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। प्रात: 8 से 9 या शाम को 6:00 से 7:00 के बीच में इसका लाभ लिया जा सकता है। साथ ही 10 से 15 आयु वर्ग के बच्चों के लिए दिव्य सितारा समर कैंप का आयोजन सुबह 10 से 11:30 के बीच में दिनांक 15 मई से 20 मई तक किया गया है। यह दोनों आयोजन सुख शांति भवन, नीलबड़ में रहेंगे।

पीडियाट्रिक ऑर्थो ट्रॉमा पर दो दिवसीय सतत् चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम संपन्न

भोपाल (काप्र)।

आर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स भोपाल ऑर्थोपेडिक सर्जन्स सोसाइटी के सहयोग से इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सब-कमेटी और आईओए के एमपी चैप्टर के तत्वावधान में आईओए पीडियाट्रिक ऑर्थो ट्रॉमा पर दो दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसके एक भाग के रूप में, मुख्य सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम 14 मई 2023 को आयोजित किया गया। सतत चिकित्सा शिक्षा के लिए फैकल्टी दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ, कोलकाता, पटना, देवगढ़, ऋषिकेश, इंदौर और भोपाल से आमंत्रित थे। सीएमई में 90 से अधिक डॉक्टरों, स्नातकोत्तर छात्रों और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के वरिष्ठ रेसीडेंट्स और विभिन्न अस्पतालों (सरकारी और निजी) में अभ्यास करने वाले आर्थोपेडिक सर्जनों ने भाग लिया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रो अजय सिंह, जो आईओए की बाल चिकित्सा हड्डी रोग उप-समिति के अध्यक्ष हैं, ने विचार-विमर्श का नेतृत्व किया। उन्होंने बच्चों में भग्न के प्रबंधन के सिद्धांतों को समझने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जो कि वयस्कों से अलग हैं। संतोषजनक परिणाम प्राप्त करने के लिए सिद्धांतों का पालन करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि एम्स, भोपाल में पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक्स में सुपर स्पेशियलिटी कोर्स शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स में रुचि रखने वाले आर्थोपेडिक सर्जनों के लिए एमपी चैप्टर शुरू करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। दो दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम की चर्चाओं में ऊपरी और निचले भुजाओं की भग्न स्थितियों को शामिल किया गया, जिसमें फ्रैक्चर विषय पर विभिन्न सत्र संचालित किए गए, जिन्हें आर्थोपेडिक सर्जनों को अपने दिन-प्रतिदिन के अभ्यास में प्रबंधित करना पड़ता है।

लोक अदालत में नगरीय निकायों को मिला 55 करोड़ 46 लाख रूपए का राजस्व

भोपाल(काप्र)।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि 13 मई को हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में नागरिकों ने विभिन्न करों के अधिभार में दी गई छूट का भरपूर लाभ उठाया है। परिणाम स्वरूप नगरीय निकायों को एक ही दिन में राजस्व और गैर-राजस्व करों के रूप में 55 करोड़ 46 लाख रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। लोक अदालत में नगरपालिक निगमों को 49 करोड़ 34 लाख रूपये, नगर पालिका परिषदों को 4 करोड़ 53 लाख रूपये तथा नगर परिषदों को एक करोड़ 60 लाख रूपये का राजस्व मिला है। नगर निगमों में सर्वाधिक राजस्व 24 करोड़ 63 लाख रूपए इंदौर नगर निगम को प्राप्त हुआ।

वहीं भोपाल नगर निगम दूसरे स्थान पर रहा जिसे 10 करोड़ 84 लाख रूपये कर के रूप में प्राप्त हुए। इसी प्रकार नगर पालिकाओं में मंदसौर और सिहोर द्वारा क्रमश: 62 लाख और 42 लाख रूपये की वसूली की गई। छोटी नगर परिषदों में राऊ नगर परिषद द्वारा लगभग 10 लाख रुपए की वसूली की गई।

सरकारी जमीन पर काबिज 90 हजार लोगों को मालिकाना हक

भोपाल (काप्र)। जिले की सरकारी जमीन पर निवास कर रहे लगभग 90 हजार लोगों को मालिकाना हक मिल सकेगा। इसके लिए लोगों को तीन साल पुराना रिकार्ड और कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार प्रीमियम देना होगा।

अब तक 31 दिसंबर 2014 तक सरकारी जमीन पर काबिज को ही रिकार्ड दिखाना पड़ता था, इससे सिर्फ 30 हजार लोगों को फायदा मिलता था, लेकिन धारणाधिकार नियमों में संशोधन के बाद से 31 दिसंबर 2020 तक काबिज लोग मालिकाना हक पाने के पात्र हो गए हैं। इसमें 60 हजार परिवार और नए जुड़ गए हैं। अब तक करीब 9,560 परिवारों ने मालिकाना हक के लिए आवेदन दिया है। इसमें 2,453 परिवारों को जमीन का मालिकाना हक दे चुक हैं। धारणाधिकार के तहत वर्ष 1989 से 31 दिसंबर 2014 तक (25 साल) रहने का रिकार्ड पेश करना पड़ रहा था, अब इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर 2020 कर दिया है। प्रशासन गूगल मैप से 2020 तक सरकारी जमीन पर काबिज लोगों का सत्यापन करेगा। सरकारी जमीन पर काबिज परिवारों को चार रुपये प्रति वर्गमीटर सालाना भू-भाटक पर जमीन की लीज देना पड़ेगी। इसके तहत एक हजार वर्गफीट के मकान का सिर्फ 400 रुपये लीज रेंट सालाना जमा करना पड़ेगा। पहले से सरकारी जमीन पर काबिज लोगों को वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन की दर से पांच प्रतिशत प्रीमियम देना पड़ता था, जिसे घटाकर एक प्रतिशत कर दिया गया है।

कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार देना होगा प्रीमियम: नगरीय क्षेत्र की सरकारी भूमि पर जो लोग 31 दिसंबर 2020 या उससे पहले से रह रहे हैं, वे वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन की दर से एक प्रतिशत प्रीमियम चुकाकर पट्टा ले सकेंगे।

मां पर केंद्रित कहानी-कविताओं का रचना पाठ

भोपाल(काप्र)। मध्यप्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट शिवाजी नगर के सभाकक्ष में मदर्स डे पर आज शाम सिंधी साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में श्रीमती समीक्षा पेसवानी ने मां की महत्ता पर लिखी गई अपनी कहानी का पाठ किया। इस कहानी को सभी ने सराहा। वरिष्ठ साहित्यकार श्री नारी लछवानी भगवान बाबानी ,नंद सनमुखानी ओमप्रकाश टहलियाणी, मनोज बुधवानी, कन्हैयालाल मोटवानी मांदो,आसुदो लछवानी और मुरली बलवानी ने भी काव्य रचनाएं सुनाई। बल्लू चौइथानी ने हास्य कविताएं सुनाई। हिंदी के प्रतिष्ठित कवि कुंवर नारायण की कविता घंटी का सिंधी अनुवाद अशोक मनवानी ने प्रस्तुत किया। प्रारंभ में अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सिंधु भवन द्वारा साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम वर्ष भर किए जाएंगे। सामाजिक कार्यों के साथ ही इस क्षेत्र में भी ट्रस्ट सक्रिय रहेगा। ट्रस्ट के महासचिव मोहन लालवानी ने आभार व्यक्त किया। केंद्रीय साहित्य अकादमी के सिंधी भाषा परामर्श मंडल में पांच वर्ष के लिए सदस्य मनोनीत होने पर अशोक मनवानी को रचनाकारों ने बधाई दी। समाजसेवी चेतन सुखरामानी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

सागर से मुख्यमंत्री ...

है। यदि कोई किसान मुआवजे से छूट गये हैं तो उसका भी सर्वे करवा कर उचित मुआवजा दिया जाएगा। सहकारिता मंत्री श्री अरविंद सिंह भदोरिया ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के किसानों के लिए ऐतिहासिक है। पुरानी सरकार की कर्ज माफी की झूठी घोषणा से डिफाल्टर हुए किसानों की ब्याज की राशि माफी की योजना आज प्रदेश में प्रारंभ की गई है। योजना में प्रदेश के लगभग 11 लाख किसानों के 2200 करोड रूपए के ब्याज माफ होंगे। इससे किसान सरकार की जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना का लाभ भी ले सकेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और कन्याओं के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आये किसान भाईयों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक प्रदीप लारिया, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान बन्धु उपस्थित थे।

मोदी ने जन शक्ति ...

प्रस्तुत किया है। प्रत्येक थीम जल संरक्षण, नारी शक्ति, कोविड पर जागरूकता, स्वच्छ भारत, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, भारतीय कृषि, योग और आयुर्वेद, भारतीय विज्ञान, अंतरिक्ष, खेल, स्वास्थ्य, भारत एट 75, अमृत काल, और उत्तर-पूर्व भारत का उत्सव जैसे विषयों से संबंधित है। माधवी पारेख, मनु पारेख, अतुल डोडिया, रियास कोमू, जीआर इरन्ना, आशिम पुरकायस्थ, जितेन ठुकराल, सुमिर तगरा, परेश मैती, प्रतुल दास, जगन्नाथ पांडा, मंजूनाथ कामथ और विभा गल्होत्रा की कलाकृतियों को इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है।

928 डिफेंस आइटम्स...

जा चुका है। इसके अलावा, यह अकादमिक और अनुसंधान संस्थानों को शामिल करके घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट करके कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार स्वदेशीकरण और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए 928 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स'/ उपप्रणालियां और कल पुर्जे की चौथी पीआईएल को मंजूरी दी गई है।सूची में उन्नत सामग्री और पुर्जे शामिल हैं, जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 715 करोड़ रुपये है। मंत्रालय ने कहा कि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम जल्द ही इन अधिसूचित वस्तुओं के लिए खरीद कार्रवाई शुरू करेंगे। सरकार ने कुछ सालों में घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। भारत वैश्विक स्तर पर हथियारों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के आयात को कम करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने चौथी पीआईएल को मंजूरी दी है। उसने बयान में कहा कि उसमें 928 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स / उपप्रणालियां और कल पुर्जे शामिलि हैं जिसका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 715 करोड़ रुपये है। रक्षा मंत्रालय ने वस्तुओं के आयात प्रतिबंध के लिए स्पष्ट समय सीमा निर्धारित की है जो दिसंबर 2023 से लेकर दिसंबर 2028 तक हैं। इससे पहले मंत्रालय ने दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में इसी तरह की तीन पीआईएल जारी की थी।

द्विपक्षीय संबंधों को...

समकक्ष गेब्रियलियस लैंड्सबर्गिस के साथ अपनी बैठक में कहा कि दोनों ने द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाओं पर यूरोप के दृष्टिकोण पर चर्चा की। बेल्जियम के मंत्री हादजा लहबीब के साथ अपनी बैठक पर उन्होंने दोनों नेताओं ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ बहुपक्षीय सहयोग के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जतायी। डॉ जयशंकर ने बल्गेरियाई विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के संबंध में कहा कि बुल्गारिया के विदेश मंत्री इवान कोंडोव के साथ क्षेत्र और इसके वैश्विक प्रभाव पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हमारे बढ़ते द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। अपने रोमानियाई समकक्ष बोगडान ऑरेस्कु के साथ अपनी बैठक पर भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले साल यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने के दौरान रोमानियाई सरकार की मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने रक्षा और ऊर्जा सहयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने साइप्रस के विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस से मुलाकात पर कहा कि हमने गतिशीलता और पर्यटन के बारे में और अधिक द्विपक्षीय जुड़ाव की आवश्यकता पर भी बात की।

कर्नाटक के डीजीपी...

करने के लिए तैयार हैं। सीबीआई भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराधों और अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके नए निदेशक के रूप में, प्रवीण सूद एजेंसी के संचालन की देखरेख और मार्गदर्शन करने, निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और व्यावसायिकता और अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होंगे। सीबीआई के प्रमुख के रूप में प्रवीण सूद की नियुक्ति से एजेंसी की क्षमताओं को मजबूत करने और न्याय देने की क्षमता में जनता के विश्वास को मजबूत करने की उम्मीद है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब सीबीआई कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है और कानून के शासन को बनाए रखने और अपराध का मुकाबला करने में इसकी भूमिका सर्वोपरि है। अपने विशाल अनुभव, नेतृत्व कौशल और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के साथ, प्रवीण सूद सीबीआई को अधिक प्रभावी और पारदर्शिता की ओर ले जाने के लिए तैयार हैं। उनकी नियुक्ति एजेंसी के इतिहास में एक नया अध्याय है, और यह आशा की जाती है कि उनके नेतृत्व में, सीबीआई भारत के कानून प्रवर्तन परिदृश्य में जवाबदेही और निष्पक्षता के स्तंभ के रूप में काम करना जारी रखेगी।

लक्ष्य पर सटीक निशाना...

बनाया। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल नौसेना की अग्रिम पंक्ति की मिसाइल है। इस मिसाइल परीक्षण ने समुद्र में नौसेना की शक्ति को एक बार फिर प्रदर्शित किया है। नौसेना के एक अधिकारी ने कहा, स्वदेश विकसित जहाज और उसकी हथियार प्रणाली आत्मनिर्भरता का तथा समुद्र में नौसेना की शक्ति का एक और शानदार उदाहरण है। मिसाइल परीक्षण के स्थान के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड भारत-रूस का एक संयुक्त उद्यम है, जो सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल निर्मित करता है। यह मिसाइल, पनडुब्बी, जहाज और विमान या जमीनी प्लेटफॉर्म से दागी जा सकती है।

अधिकारी ने कहा कि स्वदेश विकसित जहाज और उसकी हथियार प्रणाली आत्मनिर्भरता का तथा समुद्र में नौसेना की शक्ति का एक और शानदार उदाहरण है। मिसाइल परीक्षण के स्थान के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड भारत-रूस का एक संयुक्त उद्यम है, जो सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल निर्मित करता है। यह मिसाइल, पनडुब्बी, जहाज और विमान या जमीनी प्लेटफॉर्म से दागी जा सकती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ही तय...

मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को होगा. शपथ ग्रहण समारोह में सोनिया गांधी के साथ ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल होंगे। साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, समान विचारधारा वाले दलों को भी निमंत्रण भेजा जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि कांग्रेस जल्द ही सीएम के नाम पर मुहर लगा सकती है। इन सब के बीच कर्नाटक में पार्टी के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि मैंने पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यणक्ष डीके शिवकुमार ने रविवार को यह बयान कांग्रेस की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लिंगायत समुदाय के धार्मिक केंद्र तुमकुर में सिद्धगंगा मठ का दौरा करने के बाद दिया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि मेरा सिद्धारमैया से किसी बात को लेकर मतभेद है, लेकिन मैं ये साफ कर देना चाहता हूं कि इस तरह की तमाम बातें गलत है। सिद्धारमैया और मेरे बीच किसी तरह कोई मतभेद नहीं है। मैंने पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी है और सिद्धारमैया के साथ खड़ा भी रहा हूं. मैंने हमेशा ही सिद्धारमैया को अपना सहयोग दिया है। कांग्रेस विधायक दल की रविवार शाम बेंगलुरु के एक निजी होटल में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुनने के लिए वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह और दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। इससे पहले, कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल के साथ निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार के साथ बैठक की थी। सिद्धारमैया ने पार्टी अध्यक्ष को सीएलपी पार्टी के एक नए नेता की नियुक्ति के लिए अधिकृत करते हुए सिंगल लाइन प्रस्ताव पेश किया था और 135 कांग्रेस विधायकों ने सर्वसम्मति से उनके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसका समर्थन डीके शिवकुमार ने भी किया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने खड़गे को प्रस्तावों के बारे में बताया और खड़गे ने तब केसी वेणुगोपाल को निर्देश दिया कि 3 वरिष्ठ पर्यवेक्षकों को प्रत्येक विधायकों की व्यक्तिगत राय लेनी चाहिए और उसे आलाकमान तक पहुंचाना चाहिए। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया सोमवार को दिल्ली जाएंगे डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया सोमवार को दिल्ली जाएंगे। दोनों नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। खड़गे के सामने चुनौती ये होगी कि एक को सीएम बनाने पर दूसरे को कैसे मनाया जाए। बेंगलुरु के जिस होटल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई, उसके बाहर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी भी की। दोनों नेताओं के समर्थक उन्हें अगला मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। इससे पहले डीके शिवकुमार के समर्थकों ने उनके आवास के बाहर पोस्टर लगाया, जिसमें उन्हें कर्नाटक का मुख्यमंत्री घोषित करने की मांग की गई। सिद्धारमैया के समर्थकों ने भी उन्हें अगला सीएम बताते हुए पोस्टर लगाए। कांग्रेस की बैठक से पहले डीके शिवकुमार ने ये कहते हुए मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने रहने का संकेत दिया था कि वह सभी को साथ लेकर चले और उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं मांगा।

कांग्रेस हुजूर में नारी सम्मान योजना के एक लाख फार्म भरवाएगी

भोपाल (हिनप्र)।

हुजूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की नारी सम्मान योजना के फार्म भरने की शुरूआत हो गई है। गांधीनगर से योजना के लिए फार्म भरवाना शुरू हुआ है। पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा, पार्षद लक्ष्मण सिंह और गांधीनगर ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सबधाणी ने इसकी शुरूआत की।

पूर्व विधायक डागा ने कहा कि चुनाव के समय भाजपा सरकार ने महिलाओं के वोट के लिए जो लाड़ली बहना योजना शुरू की है, जिसमें हर माह 1000 रूपये देने की बात कही गई है। वह धोखा है क्योंकि जिस तरह की शर्तें रखी गई हैं, उसमें 75 प्रतिशत आवेदन निरस्त हो जाएंगे। वहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेशभर में नारी सम्मान के लिए 1500 रूपये देने के लिए फार्म भरवाने का काम शुरू किया गया है। सबधाणी ने कहा कि हुजूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ता छोटे-छोटे शिविर लगाकर आवेदन भरवाएंगे। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनेगी और 1500 राशि महिलाओं को सम्मान के रूप में दी जाएगी। सबधाणी ने कहा कि कर्नाटक के नतीजों ने बता दिया है कि अब भाजपा का खेल खत्म हो गया है। पार्षद लक्ष्मण सिंह ने कहा कांग्रेस ने जो योजना सामने रखी है, वह सरल और अधिक से अधिक महिलाओं को दायरे में लाने वाली है।

मदर्स डे सिंधी महिला पंचायत द्वारा माँ का सम्मान किया

भोपाल (हिनप्र)।

मुस्कान म्यूजिकल ग्रुप और सिंधी महिला पंचायत द्वारा मदर्स डे पर एक शाम मां के नाम का आयोजन किया। संतनगर की ईश्वरी देवी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में नए कलाकारों को गायकी का मौका दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। बतौर मुख्य अतिथि अशोक कुमार छाबड़िया सिंधी समाज के साहित्यिक वार्ताकार, विशिष्टम अतिथि विमल भंडारी संगीतकार तथा विशेष अतिथि किरण वाधवानी अध्यक्ष सिंधी महिला पंचायत और सिंघी सेवा संघ के संस्थापक कमल मनसुखानी थे। अतिथियों का स्वागत आयोजक मोहन बेलानी और भविषा बेलानी ने किया। कलाकारों ने तू कितनी अच्छी है, तूं कितनी भोली है मां व कई गानों की प्रस्तुति दी। अतिथियों ने कहा कि नए कलाकारों को मंच देना सराहनीय है। इससे वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ अपने हुनर को मांजते हैं। सभी गायकों को सिंधी महिला पंचायत ने प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में केआर श्रीवास्तव,किरण श्रीवास्तव, विक्रम सिंह, शक्ति खरे सुरेश तनवानी व अन्य मौजूद रहे।

राजधानी की धार्मिक जैन पाठशालाओं का हुआ वार्षिक महोत्सव

भोपाल (काप्र)। आचार्यश्री विद्यासागर के मंगल आशीर्वाद से व पाठशाला प्रेरक पूज्य मुनि श्री निर्णयसागर जी ससंघ सानिध्य में द्विदिवसीय पाठशाला महोत्सव 2023 अयोध्या नगर के श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के आयोजकत्व व आचार्य ज्ञानसागर संस्कार केंद्र के सयोंजकत्व में किया गया। जिसमे पाठशाला के मुख्यकलश की स्थापना करने का सौभाग्य एन सी जैन,विवेक जैन, सचिन जैन परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम की विशेषता ये रही की बच्चों ने मुनि श्री के समक्ष विद्यार्थी जीवन के पांच लक्षण को पालन करने का संकल्प लिया। गर्मियों की छुट्टी में भी भोपाल की समस्त जैन पाठशालाओं के बच्चे धार्मिक शिक्षा के साथ, नैतिक शिक्षा व अहिंसा, जीव दया की शिक्षा को आकर्षित होकर ग्रहण कर रहे हैं। यह कार्यक्रम बड़े विशाल रूप में किया गया। सूचना प्रदाता अंकित कंट्रोल ने बताया प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी भोपाल में धार्मिक जैन पाठशालाओं का हुआ वार्षिक महोत्सव करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें 100 से अधिक पाठशाला में सहभागिता ली एवं हजार से ज्यादा बच्चों नेधार्मिक शिक्षा के साथ, नैतिक शिक्षा व अहिंसा, जीव दया की शिक्षा प्राप्त की।